# हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मंगलवार, 24 अप्रैल 2018, लखनऊ, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण

www.livehindustan.com

वर्ष 23, अंक 95


### अन्तरराष्ट्रीय डीएनए दिवस कलः वैज्ञानिकों ने डीएनए से कई उलझी पहेलियों को सुलझा दिया

# चिम्पैंजी से 98% तक मेल खाती है हमारी डीएनए संरचना

**शोध**

लखनऊ | **प्रमुख संवाददाता**

हमारी 98 फीसदी डीएनए संरचना चिम्पैंजी से मेल खाती है जबकि 99.9 फीसदी डीएनए मनुष्यों में एक होती है। सिर्फ 0.1 फीसदी डीएनए संरचना में भिन्नता के कारण ही इंसान की शक्ल, स्वभाव, रंग, लम्बाई आदि अलग हो जाती है। यह बात विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. हुमा मुस्तफा ने कही। उन्होंने कहाकि डीएनए की खोज से न सिर्फ पहचान आसान हुई है बल्कि आने वाले दिनों में चिकित्सा व अन्य क्षेत्र में दूरगामी परिणाम मिलने वाले हैं। किसी भी जीव की संरचना को समझने व उसे संरक्षित करना आसान हो जाएगा। डीएनए ने कई उलझी पहेलियों को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई है।

**वर्ष 1953 में हुई थी खोजः** डा. मुस्तफा ने कहा कि इतनी बड़ी खोज के लिए यूएसए में 25 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है। यहां के वैज्ञानिक जेम्स वाट्सन फ्रांसिस क्रिक ने इसकी खोज करके मैपिंग की थी और वर्ष 1953 में पेपर स्वीकार कर लिया गया था। तब से इस दिन को अन्तरराष्ट्रीय डीएनए दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। यूएसए में तो इस दिन को उत्साह के रूप में मनाया जाता है।

**न्यूक्लियोटाइड अणुओं से बनता है डीएनएः** वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. भरतराज सिंह ने बताया कि न्यूक्लियोटाइड नामक अणुओं से डीएनए बनता है। प्रत्येक न्यूक्लियोटाइड में फॉस्फेट समूह, डिऑक्सीराइबोस नाम का एक समूह व नाइट्रोजन आधार होता है। चार प्रकार के नाइट्रोजन बेस एडेनाइन (ए), थाइमाइन (टी), गुआनाइन (जी) व साइटोसिन (सी) हैं। इन अड्डों का क्रम डीएनए के निर्देश या अनुवांशिक कोड तय करता है। यही अनुवांशिक कोड प्राणियों की विशेषताएं बताता है। जौनपुर के वैज्ञानिक ने डीएनए फिंगरप्रिंटिंग की खोज की थी डा. भरत राज सिंह ने बाताया कि जौनपुर के कलवारी गांव निवासी देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डा. लालजी सिंह ने डीएनए फिंगरप्रिंटिंग की खोज की थी। फोरेंसिक अनुप्रयोगों व डीएनए फिंगरप्रिंटिंग को मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी तकनीक से कई मामलों में माता-पिता का निर्धारण व हाईप्रोफाइल अपराधों का खुलासा हो चुका है। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड, बेअंत सिंह हत्या का मामला व तमिलनाडु में पुदुकोट्टाई का स्वामी प्रीमानंद का मामला व बेंगलुरू के स्वामी श्रद्धाहन का मामला शामिल है। उन्हें डीएनए फिंगर प्रिंटिंग के पिता माना जाता है। वर्ष 2004 में उन्हें पद्मश्री पुरस्कार मिल चुका है।

## विज्ञान प्रौद्योगिकी में होगा कार्यक्रम

विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद में 25 अप्रैल को विश्व डीएनए डे मनाया जाएगा। इस मौके पर राजधानी के विभिन्न स्कूलों से कक्षा 11 व 12 के लगभग 150 बच्चों को आमंत्रित किया गया है। परिषद की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. हुमा मुस्तफा ने बताया कि बच्चों को डीएनए की संरचना के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी और इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की संभावनाओं के बारे में बताया जाएगा।